प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

संरक्षित पुष्प उत्पादन पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

पंतनगर। 19 सितम्बर 2025। उत्तराखण्ड राज्य में संरक्षित पुष्प उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्य ोगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर तथा एकीकृत बागवानी विकास मिशन द्वारा वित्तपोषित परियोजना के अंतर्गत एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ग्राम अणाँ, गरूण, जनपद बागेश्वर में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ परियोजना अधिकारी डा. वी.के. राव द्वारा किया गया, जिन्होंने परियोजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए गुलाब, जरबेरा एवं लिलियम की संरक्षित खेती की तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने किसानों को बाजार की मांग के अनुसार उपयुक्त पुष्प प्रजातियों के चयन की सलाह दी। डा. अजीत कुमार कपूर ने गुलदाउदी, ग्लैडियोलस और रजनीगंधा की उत्पादन तकनीकों पर विस्तार से चर्चा की और किसानों को उनकी आय में वृद्धि हेतु आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। डा. के.पी. सिंह, प्राध्यापक, पादप रोग विज्ञान ने पुष्प फसलों में होने वाले रोगों व कीटों के नियंत्रण के उपाय बताए। उन्होंने जड़ सड़न एवं उकटा रोग के नियंत्रण हेतु एज़ॉक्सीस्ट्रोबिन + प्रोपिकोनाजोल 0.15 प्रतिशत का घोल बनाकर जड़ों के पास ड्रेन्च करने की सलाह दी। साथ ही, ब्लाइट एवं झुलसा रोगों से बचाव हेतु ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन + टेबुकोनाजोल 0.10 प्रतिशत का घोल बनाकर रोग लगने के पश्चात दो छिड़काव 15–20 दिन के अंतराल पर करने की जानकारी दी। जैविक नियंत्रण उपायों के अंतर्गत ट्राइकोडर्मा वैसिलस एवं स्यूडोमोनास का बीज शोधन हेतु प्रयोग तथा गोबर खाद में ट्राइकोडर्मा 5 किग्रा प्रति 5 कुंतल की दर से मिलाकर प्रयोग करने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम में श्री नारायण सिंह, ज्येष्ठ उद्यान निरीक्षक, उद्यान विभाग, उत्तराखण्ड सरकार ने उद्यान विकास हेतु चलाई जा रही सरकारी योजनाओं व सुविधाओं की जानकारी दी। इस दौरान वैज्ञानिकों ने किसानों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर भी दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम अणाँ एवं गरूण क्षेत्र के 30 से अधिक पुष्प उत्पादक कृषकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन एवं निदेशक, शोध को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में विजय कुमार, सुनील दोसाद, लाल सिंह, प्रकाश चंद्र, नीमा देवी आदि किसान उपस्थित रहे। श्री वी.एन. सिंह टम्टा, सचिव, गरूण बैली, ऐग्रो एंड टूरिज्म सोसायटी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।